

सवा सौ करोड़ युवाओं को संगठन से जोड़ेगी जमीयत : मदनी

अमर उजाला ब्यूरो

देवबंद (सहारनपुर)। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने अपने पायलट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब का परिचयात्मक कार्यक्रम व प्रदर्शन का आयोजन किया। जिसमें गुजरात, मेवात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने कला का प्रदर्शन किया।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना सैय्यद महमूद मदनी ने जमीयत यूथ क्लब का परिचय पेश करते हुए अगले दस वर्षों में दुनियाभर से सवा सौ करोड़ युवकों को जोड़ने का एलान करते हुए कहा कि योजना के अनुसार अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं



कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी।

को प्रशिक्षण देकर तैयार कर वर्ष 2019 में एक सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

देश के मौजूदा हालात में जिस तरह हर मोर्चे पर मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है, इससे युवाओं में निराशा, विश्वास का अभाव और खुद

की पहचान के गुम होने की भावना पैदा होने लगी है। इसलिए इस समय सबसे बड़ी जरूरत है कि मुसलमानों को इस गंभीर संकट से निकाला जाए और यह तभी संभव है जब मिल्लत का हर व्यक्ति एक दूसरे के सहयोगी बनें।

सवा सौ करोड़ युवाओं को संगठन से जोड़ेगी जमीयत : मदनी

जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव ने पायलट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब का परिचय पेश किया

अमर उजाला ब्यूरो

देवबंद (सहारनपुर)। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने अपने पायलट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब का परिचयात्मक कार्यक्रम व प्रदर्शन का आयोजन किया। जिसमें गुजरात, मेवात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने कला का शानदार प्रदर्शन किया।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना सैय्यद महमूद मदनी ने जमीयत यूथ क्लब का परिचय पेश करते हुए अगले दस वर्षों में दुनियाभर से सवा सौ करोड़ युवकों को जोड़ने का एलान करते हुए कहा कि योजना के अनुसार अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार कर वर्ष 2019 में एक सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नकारात्मक नहीं बल्कि रचनात्मक काम है। हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक और सच्चे सेवक बन सकें तथा जरूरत पड़ने पर खुद की रक्षा कर सकें। आज मिल्लत सबसे आंतरिक संकट से जूझ रही है।

देश के मौजूदा हालात में जिस तरह हर मोर्चे पर मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है, इससे युवाओं में निराशा, विश्वास का अभाव और खुद



हैरतअंगेज करतब दिखाते स्काउट गाइड। अमर उजाला



कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी।

की पहचान के गुम होने की भावना पैदा होने लगी है। इसलिए इस समय सबसे बड़ी जरूरत है कि मुसलमानों को इस गंभीर संकट से निकाला जाए और यह तभी संभव है जब मिल्लत का हर व्यक्ति एक दूसरे के सहयोगी बनें। मदनी ने कहा कि हम पिछले पांच वर्षों से युवाओं को मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं। इसके लिए देश के मान्यता प्राप्त संस्थान भारत स्काउट गाइड का चयन किया गया है। अध्यक्ष मौलाना कारी सैय्यद उस्मान मंशूरपुरी ने कहा कि युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। क्योंकि उनके विद्यार्थी काल में दारुल उलूम में एक पहलवान रखा जाता था जो लोगों को शारीरिक व्यायाम करवाता था। उन्होंने कहा कि आज कुछ दल खुलेआम



स्काउट गाइड को सम्मानित करते मौलाना महमूद मदनी। अमर उजाला

आपत्तिजनक हथियारों का प्रदर्शन करते हैं। जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है। हम भी देश के कानून के दायरे में रहते हुए अपनी युवा शक्ति का खुलेआम प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान

मौलाना महमूद मदनी ने हैरतअंगेज करतब दिखाने वाले युवाओं को सम्मानित किया।

अध्यक्षता मौलाना हसीब सिद्दीकी व संचालन मौलाना हकीमुद्दीन



मीनार बनाते स्काउट गाइड। अमर उजाला

कासमी व नैशाद अली सिद्दीकी ने किया। इस मौके पर जहीन अहमद, मास्टर हिदायतुल्लाह, उमैर उस्मानी, मौलाना आकिल, कलीमुल्लाह, मौलाना मोहम्मद मदनी, सलीम

उस्मानी, चौधरी सादिक, कारी इब्राहीम, मौलाना अजीमुल्लाह सिद्दीकी, मौलाना मेराजुद्दीन, याहया करीमी, मौलाना अब्दुल्लाह पालनपुरी आदि मौजूद रहे।

‘जमीयत यूथ क्लब’ परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का देवबंद में आयोजन, युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण बेहद जरूरी: कारी उस्मान

रक्षा के लिए युवाओं को तैयार करेगी जमीयत : मदनी

देवबंद | हमारे संवाददाता

जमीयत उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में देश का मुसलमान डरा और सहमा हुआ है। उन्होंने कहा कि जमीयत ने अपने पायलेट प्रोजेक्ट ‘जमीयत यूथ क्लब’ के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षित युवा तैयार करने का बीड़ा उठाया है। जो लोगों के सच्चे रक्षक होंगे और जरूरत पड़ने पर स्वयं रक्षा भी करेंगे।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में आयोजित हुए ‘जमीयत यूथ क्लब’ परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जमीयत यूथ क्लब का उद्देश्य नकारात्मक नहीं बल्कि रचनात्मक है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक



देवबंद जनिवत उलेमा-ए-हिन्द के कार्यक्रम को संबोधित करते मौलाना महमूद मदनी। और सच्चे देशसेवक बन सकें। साथ ही वक्त पड़ने पर स्वयं की रक्षा भी करने में सक्षम हों। मौलाना मदनी ने जमीयत यूथ क्लब का परिचय करते हुए बताया कि जमीयत द्वारा पांच वर्षों से युवाओं

छह महीनों में 10 हजार युवा होंगे प्रशिक्षित

देवबंद। जमीयत उलेमा ए हिंद के बंजर तले आयोजित हुए जमीयत यूथ क्लब के परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में देश के तीन राज्यों गुजरात, मेवात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चयनित सी छात्रों ने विभिन्न हैरतअंगेज कला का प्रदर्शन किया। जिन्हें मौलाना महमूद मदनी ने अपने हाथों से प्रतीक विन्ह व प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौलाना मदनी ने घोषणा की कि अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा, जिनका एक सार्वजनिक प्रदर्शन फरवरी 2019 में जमीयत द्वारा आयोजित किया जाएगा।

दे चुकी है।

प्रशिक्षण के लिए भारतस्काउट एंड गाइड की मदद ली जा रही है, क्योंकि यही एकमात्र ऐसी संस्था है मानवता और समन्वयक राष्ट्र विधि सीख लाती है। उन्होंने कहा कि स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण से युवा शारीरिक और मानसिक रूप से समाज की बेहतर सेवा प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जमीअत यूथ क्लब में स्कूल, कालेज और मदरसे के बच्चे शामिल हो सकेंगे।

कार्यक्रम में जमीयत उलेमा हिंद के

राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना कारी सैयद मोहम्मद उस्मान मंसुरपुरी ने कहा कि युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि उनके समय में दरुल उलूम देवबंद में एक पहलवान रखा जाता था जो बच्चों को शारीरिक व्यायाम करवाया करता था। मौलाना ने कहा कि वर्तमान समय में देश के भीतर कुछ संगठन खुलेआम आपत्तिजनक हथियारों का प्रदर्शन करते हैं, जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है।

जमीयत यूथ क्लब का उद्देश्य

नकारात्मक नहीं रचनात्मक है। हमारे प्रशिक्षित युवा कानून के दायरे में रहते हुए अपने युवा शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। मास्टर हिदायतुल्लाह सिद्दीकी कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड, जमिअत यूथ क्लब और जमिअत उलेमा हिंद मिलकर देश और राष्ट्र की सेवा करने का काम करेंगे।

अध्यक्षता मौलाना हसीब सिद्दीकी व संचालन मौलाना हकीमउद्दीन क़ासमी और नौशाद अली सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मौलाना अब्दुलाह पालनपुरी, मौलाना मोहम्मद याहया, मौलाना मोहम्मद आकिल, मौलाना मेराजुद्दीन, मौलाना कलीमुल्लाह, मौलाना मुफ्ती यामीन, हाफिज उबैदुल्लाह, मौलाना मुहम्मद मदनी, मौलाना ज़हूर, जहीन अहमद, मौलाना इब्राहीम क़ासमी, उमेर उस्मानी, चौधरी सादिक, मुफ्ती जाकिर समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सक्षम युवाओं की फौज तैयार करेगी जमीयत : मौलाना मदनी



कार्यक्रम को संबोधित करते मौलाना महमूद मदनी।



कार्यक्रम में हैदर अरेज कलबत दिखाते जमीयत युव क्लब के प्रशिक्षित बच्चे।



प्रशिक्षित बच्चों को प्रतीक चिह्न देते करते मौलाना महमूद मदनी।

● जनवाणी संवाददाता, देवरद।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि वर्तमान हालात में देश का मुसलमान विरोधक युवा डग सहभा हुआ है। इसलिए जमीयत ने अपने पाकेट प्रोजेक्ट 'जमीयत युव क्लब' के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षित युवा तैयार करने का बीड़ा उठाया है, जो लोगों के सच्चे रक्षक होंगे और जरूरत पड़ने पर अपनी रक्षा भी कर सकेंगे।

मंगलवार को फिरोज़गढ़ में आयोजित हुए 'जमीयत युव क्लब' परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौलाना महमूद मदनी कहा कि जमीयत युव क्लब का उद्देश्य नकारात्मक नहीं बल्कि रचनात्मक है। कहा हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक और सच्चे सौहार्द बन सकें और जरूरत पड़ने पर

जमीयत युव क्लब परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम संपन्न

युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण वैध ज़रूरी

खुद को रक्षा भी करने में सक्षम हों। मौलाना मदनी ने जमीयत युव क्लब का परिचय कराते हुए कहा कि हम चाहते पांच वर्षों से युवा में मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण पर काम कर रहे हैं, अपने पांच हजार छात्रों को प्रशिक्षण दिया है। इसके काम के लिए देश के मान्यता प्राप्त संस्थान भारत स्काउट एंड गाइड की मदद ली जा रही है। क्योंकि यह संस्था है मानव अकारित काम करती है और समन्वयक राष्ट्र विधि सोझलती है, यदि

युवा शारीरिक और मानसिक रूप से समाज को बेहतर सेवा कर सकें। कहा कि जमीयत युव क्लब में स्कूल, कालज और मरसे के बच्चे इसमें शामिल हो सकेंगे।

जमीयत उलेमा हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना करीम सैयद मोहम्मद उस्मान मंसूरपुरी ने कहा कि युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे अर्कबिर विरोधक हजुरत मौलाना हुसैन अहमद मदनी अंत तक मगर चलते थे। उन्होंने बताया कि हमारे विद्यार्थी क्लब में दाखल जम्न देवबंद में एक पहलवान रखा जाता था जो बच्चों को शारीरिक जवाब करवाकर करता था। मौलाना ने कहा कि वर्तमान समय में देश के फौज कुछ संकटन खुलेअन अवस्थितनक हॉबिचरों का प्रदर्शन करते हैं, जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है। लेकिन जमीयत युव क्लब का

उद्देश्य नकारात्मक नहीं रचनात्मक है। हमारे प्रशिक्षित युवा बहून के टनर में रहते हुए अपने युवा शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। मगरत शिदायुज्जह सिरीकी कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड, जमीयत युव क्लब और जमीयत उलेमा हिंद मिलकर देश और राष्ट्र को सेवा करने का काम करेंगे। अज्जहल मौलाना हकीम सिरीकी व संवालयन मौलाना हकीमउद्दीन कुसमी और नौशाद अली सिरीकी ने संवुक रूप से किया। इस दौरान मौलाना अब्दुल्लाह पालनपुरी, मौलाना मोहम्मद साहवा, मौलाना मोहम्मद अकिल, मौलाना मेराजुद्दीन, मौलाना करतुज्जह, मौलाना मुफ्ती कानेन, हाकिम उबैदुल्लाह, मौलाना मुहम्मद मदन, मौलाना जहर, जमीन अहमद, मौलाना इब्राहीम कुसमी, उमेर उस्मानी, चौधरी सादिक, मुफ्ती जाकिर समेत काने संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम का समापन करी उस्मान मंसूरपुरी की दुआ के साथ हुआ।

छठ महीने में दस हजार युवा होंगे प्रशिक्षित

देवबंद। जमीयत उलेमा ए हिंद के केनर तले आयोजित हुए जमीयत युव क्लब के परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में देश के तीन राज्यों गुजरात, मेघाल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चर्चित सौ छात्रों ने विभिन्न हैरतअंबेज कला का प्रदर्शन किया। जिनमें मौलाना महमूद मदनी ने अपने हाथों से प्रतीक चिह्न व प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौलाना मदनी ने घोषणा की कि अगले छह महीने में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा, जिनका एक सार्वजनिक प्रदर्शन फरवरी में जमीयत द्वारा आयोजित किया जाएगा।

युवा शारीरिक व मानसिक रूप से समाज की कर सकते हैं सेवा:मदनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। युवा में मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण के लिए देश की मान्यता प्राप्त संस्था भारत स्काउट एंड गाइड की साहायता लि गई है। ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से समाज की बेहतर सेवा कर सकें।

जमीयत उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने फिरदौस गार्डन में आयोजित जमीयत यूथ क्लब परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में देश का मुसलमान विशेषकर युवा डरा सहमा हुआ है। इसलिए जमीयत ने अपने पायलेट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षित युवा तैयार करने का बीड़ा उठाया है। जो लोगों के सच्चे रक्षक होने के साथ ही जरूरत पडने पर अपनी रक्षा भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा की हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक और सच्चे सेवक बन सकें और जरूरत पडने पर खुद की रक्षा भी करने में सक्षम हों। उन्होंने जमीयत यूथ क्लब का परिचय करते हुए कहा की हम पिछले पांच वर्षों से युवा में मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण पर काम कर रहे हैं। अपने पांच हजार छात्रों को प्रशिक्षण दिया है। इसके काम के लिए देश के मान्यता प्राप्त संस्थान भारत स्काउट एंड गाइड की मदद ली जा रही है। क्योंकि यह संस्था है मानव आधारित काम करती है और समन्वयक राष्ट्र विधि सीखलाती है, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से समाज की बेहतर सेवा कर सकें। कहा कि जमीयत यूथ क्लब में स्कूल, कालज और मदरसे के बच्चे इसमें शामिल हो सकेंगे।

जमीयत उलेमा हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना कारी सैयद मोहम्मद उस्मान मंसूरपुरी ने कहा कि युवाओं



जमीयत उलेमा ए हिंद के बेनर तले आयोजित जमीयत यूथ क्लब के परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में देश के तीन राज्यों गुजरात, मेवात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने विभिन्न हैरत अंगेज कला का प्रदर्शन किया। जिन्हें मौलाना महमूद मदनी ने अपने हाथों से प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौलाना मदनी ने घोषणा की कि अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा, जिनका एक सार्वजनिक प्रदर्शन फरवरी 2019 में जमीयत द्वारा आयोजित किया जाएगा।

का शारीरिक प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे अकाबिर विशेषकर हजरत मौलाना हुसैन अहमद मदनी अंत उम्र तक मगदर चलाते थे।

उन्होंने बताया कि हमारे विद्यार्थी काल में दारुल उलूम देवबंद में एक

पहलवान रखा जाता था जो बच्चों को शारीरिक व्यायाम करवाया करता था। मौलाना ने कहा कि वर्तमान समय में देश के भीतर कुछ संगठन खुलेआम आपतिजनक हथियारों का प्रदर्शन करते हैं, जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है। लेकिन जमीयत यूथ

क्लब का उद्देश्य नकारात्मक नहीं रचनात्मक है। हमारे प्रशिक्षित युवा कानून के दायरे में रहते हुए अपने युवा शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। मास्टर हिदायतुल्लाह सिद्दीकी कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड, जमीयत यूथ क्लब और जमीयत उलेमा हिंद मिलकर देश और राष्ट्र की सेवा करने का काम करेंगे।

अध्यक्षता मौलाना हसीब सिद्दीकी व संचालन मौलाना हकीमउद्दीन कासमी व नौशाद अली सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मौलाना अब्दुलाह पालनपुरी, मौलाना मोहम्मद याहया, मौलाना मोहम्मद आकिल, मौलाना मेराजुद्दीन, मौलाना कलीमुल्लाह, मौलाना मुफ्ती यामीन, हाफिज उबैदुल्लाह, मौलाना मुहम्मद मदनी, मौलाना जहूर, जहीन अहमद, मौलाना इब्राहीम कासमी, उमेर उस्मानी, चौधरी सादिक मुफ्ती जाकिर समेत काफी संख्या में लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन कारी उस्मान मंसूरपुरी की दुआ के साथ हुआ।



میرا وطن



مسلم نوجوانوں کو مایوسی کے سنگین بحران سے نکالا جائے

جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد، مولانا محمود مدنی نے تعمیری قدم قرار دیا

وسیم عثمانی

آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حسیب صدیقی خازن جمعیت علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائیلیٹ پروجیکٹ جمعیت یوتھ کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، مہاراشٹر اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ نئی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو نارگینٹ کیا



جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مروعیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پھیل رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کارڈی فٹنیشن کا طریقہ سکھاتا

میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیت یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پالن پوری گجرات، مولانا محمد سحبی کرچی مہاراشٹر اور مولانا محمد عاشق کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی شہینا، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبداللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارکباد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، مہاراشٹر اور مغربی اتر پردیش سے جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء ہند کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا نسیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

آدھ نامہ

۲۵ جولائی ۲۰۱۸ء مطابق ۱۱ ذیقعدہ ۱۴۳۹ھ

آج امت مسلمہ سب سے زیادہ داخلی بحران کا شکار ہے: مولانا محمود مدنی

سے ان کو شیلڈ اور سرینیکٹ سے نوازا۔

اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پان پوری گجرات، مولانا محمد ساجی کربلی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی جناباٹن، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظہ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا گلہ کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انجام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہیر احمد قاسمی، سید ذہن احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارکباد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیۃ پتھو کلب اور جمعیۃ علماء کے مقامی ورپائی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، انکلمات کے فرائض مولانا کلیم اللہ مدنی قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشعر طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پزیر ہوا۔

علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلو ان رکھا جاتا تھا جوڑوں کو حساسی ورزش کروا تا تھا۔ انہوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آٹھیں اسٹوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی ایانت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ از قلم اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا کلیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیۃ علماء ہند نے جمعیۃ علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا اعتراف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیۃ علماء ہند کا پالیسی پر دیکھتے ہیں۔ حضرت کی شب و روز محنت ڈھونڈ چکی دولت یہ تیزی سے آگے بڑھتا ہے۔

ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ حصہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیۃ پتھو کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیۃ پتھو کلب اور جمعیۃ علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ سائز نوٹ شدہ ملی اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی گوڈ (۲) ڈیوٹی نو اور (۳) ڈیوٹی نوٹسلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں



دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔

مولانا مدنی نے جمعیۃ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پردیکھت کو کامیاب بنائیں۔ انہوں نے جمعیۃ پتھو کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکتے ہیں، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینے میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق داروں کے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں

جس طرح مسلمانوں کو جاگرت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مروعیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پتپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بچانہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل چھتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، ہم گساری اور دوسروں کی مدد کا وسیع پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقاء و بقا کی ضمانت ہے۔

مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام

دیوبند 24 جولائی (پی این ایس) دیوبند کے فرودس گاؤں میں جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیۃ پتھو کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حسیب صدیقی خازن جمعیۃ علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پالیسی پر دیکھت جمعیۃ پتھو کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔

مولانا مدنی نے اس موقع پر پتھو کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انہوں نے کہا کہ یہ مفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خاتمہ نہیں اور ضرورت پڑنے پر خودی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں



Tel: 022-2395 4433
2395 5544

اردو پڑھنے لکھنے اور بولنے

ممبرانہ ریزرویشن

کاملاً اعصابی عادت، ہائیجے

Website: www.mumbaiurdunews.com

بیساد: محمد علی مرحوم

مبئی اردو نیوز

Tel: 022-2395 4433
2395 5544

اردو پڑھنے لکھنے اور بولنے

ممبرانہ ریزرویشن

کاملاً اعصابی عادت، ہائیجے

Website: www.mumbaiurdunews.com

Postal Regn. No. MCW/338/2017-19 Vol. No. 6 Issue No. 205 Wednesday 25th July 2018 Price: ₹5/- 12 Pages **Mumbai Urdu News** ۱۳ سہ ماہیہ ۲۰۱۸ء ۲۵ جولائی ۲۰۱۸ء ۱۱ ذی القعدہ ۱۴۳۹ھ قیمت: روپے ۵/- صفحات ۱۲

ہم قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟

ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں، اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا
جمعیتہ علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیتہ یوتھ کلب' تعارفی پروگرام میں مولانا سید محمود مدنی کا اظہار خیال، طلباء نے اپنے فن کا شاندار مظاہرہ کیا

جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیتہ یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طالوت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو



دیوبند۔ ۲۴ جولائی: (رضوان سلمانی) آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیتہ علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیتہ یوتھ کلب تعارفی پروگرام' کا مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حبیب صدیقی خازن جمعیتہ علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے جنرل سکرٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پابلیٹیٹی پروجیکٹ 'جمعیتہ یوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے

جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ ازیں قبل اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکرٹری جمعیتہ علماء ہند نے جمعیتہ علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیتہ علماء ہند کا پابلیٹیٹی پروجیکٹ ہے۔ حضرت کی شب و روز محنت و توجہ کی بدولت یہ تیزی سے آگے بڑھ رہا ہے۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیتہ یوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیتہ یوتھ کلب اور جمعیتہ علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نو شاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی ٹو گود (۲) ڈیوٹی ٹو ادرس (۳) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیلڈ اور سرٹیکس سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبدالقادر پان پوری گجرات، مولانا محمد سنجی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حبیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارکباد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیتہ یوتھ کلب اور جمعیتہ علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نو شاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعیتہ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انھوں نے جمعیتہ یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور

ہما آپ



اسے ایزان دارا ہب (تھرا) نماز کھلے کوسے (ہوئے فلاں) ہوتے (خبر کے لئے) اپنے
پروں اور اپنے (میں) کھینے نہ کھت جولو اور اپنے میں ناسخ کہ اور اپنے ازان
(میں) ناسخ کھت (میں) اور اگر ہنات ہنات میں ہوتے (نہاں) کوب پاک ہو ہوا اور
اگر ہوا (میں) ہنات سے (نہاں) کوب پاک ہو ہوا اور (نہاں) کوب پاک ہو ہوا اور
ستارہ (میں) ہنات سے (نہاں) کوب پاک ہو ہوا اور (نہاں) کوب پاک ہو ہوا اور

جمعیت ریوتھ کلب منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم۔ مولانا محمود مدنی

میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ ازیں قبل اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیت؟ علماء ہند نے جمعیت؟ علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیت؟ علماء ہند کا پامیلٹ پروجیکٹ ہے۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعی؟ یوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیت؟ یوتھ کلب اور جمعیت؟ علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نوشاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی ٹو گود (۲) ڈیوٹی ٹو ادرس (۳) ڈیوٹی ٹو سلیف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیلڈ اور سرٹیفیکٹ سے نوازا۔

کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد خادم ملت میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیت؟ یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمعی؟ علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طاہوت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی؟ آخر عمر تک گدرد چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لوگوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات



پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاہم کہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعی؟ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انھوں نے جمعی؟ یوتھ

دیوبند جمعیت؟ علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے یوتھ کلب کے مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ یہ بات انہوں نے آج یہاں جمعی؟ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت؟ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ میں کہی۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم

عام آدمی کا اخبار

زمینی سچ

Urdu Daily ZAMINI SACH Lucknow

شہزادگی سے تہائی، 20 ہلاک

لگاتار تین دنوں میں گئے والی آگ کے نتیجے میں حکام کے...
 لیا۔ یونان میں حکومت کا کہنا ہے کہ ہنگامے میں
 لگی ہے جس کے بعد حکام نے بین الاقوامی امداد
 فزوں کا رکن جنگل میں گئے والی آگ پر قابو
 تفتیز کے آس پاس کے علاقوں میں رہنے والے
 مطالباتی جیکو مجر کے والی اس آگ کے نتیجے میں
 تک۔ 16 بچے 104 سیت 104 سے زائد افراد زخمی
 ہلاک ہے۔ سب سے زیادہ متاثر ہونے والے
 بچانے کے لیے سمندر کے راستے وہاں سے اٹلا
 میں متاثر عمارتوں، دھوئیں سے مبرا آسمان اور
 تک ہے۔

مسلم نوجوانوں کو مایوسی کے سنگین بحران سے نکالا جائے

جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیۃ پتھو کلب' تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد، مولانا محمود مدنی نے تعمیری قدم قرار دیا



دو ہفتہ، 24 جولائی (نامہ نگار): آج ہی
 ل و ع ہند کے فردوس کاروان میں جمعیۃ علماء ہند
 کے زیر اہتمام جمعیۃ پتھو کلب تعارفی پروگرام و
 مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند
 مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور
 صدارت مولانا حبیب صدیقی خازن جمعیۃ
 علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند
 کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے
 نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائیدار
 پریکٹس 'جمعیۃ پتھو کلب' کا تعارف اور خاکہ
 پیش کیا۔ ورین اٹھ تین ریاستوں گجرات،
 میہار اور مدھی اتر پردیش سے منتخب 4۲ طلباء
 نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی
 نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے
 چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر
 تیار کیا جائے گا جو فروری 2019ء میں ۱۶ ماہ
 طور پر اپنی فائز پیش کریں گے۔ مولانا مدنی
 نے اس موقع پر پتھو کلب کے مقاصد پر بھی
 روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ نئی نئی بلکہ
 تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار
 کرنا ہے جو قوم کے لیے خدمت بنیں اور ضرورت
 پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت
 ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب
 سے زیادہ داخلی بحران کی تھلا ہے، ملک کے
 موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو
 نارگیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں
 مایوسی، مرہوہیت اور اپنی شناخت گم ہونے
 کا احساس پتہ چل رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی

وجوں کی تربیت کے بعد 'خدمت' میں
 شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ
 اسکول اور درسے میں نہیں ہیں ان کو ہم
 ڈائریکٹ جمعیۃ پتھو کلب میں شامل کریں
 گے۔ اس موقع پر مولانا عبدالقادر پان
 پوری گجرات، مولانا محمد سعید گری میہار
 اور مولانا محمد عاقل کیرات نے بھی اپنی
 کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو
 شخصیات اہل علم اور فاضلین میں مولانا
 معز الدین امیر، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی
 مولانا مطلق بنیامین، مولانا عاقل گڑھی
 دولت، حافظ عبداللہ بانس وغیرہ کے نام
 قابل ذکر ہیں۔ مولانا حبیب صدیقی نے
 اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ
 ادا کیا۔ انھوں نے پائیدار پروگرام کے
 کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی،
 مولانا ابراہیم قاسمی، سید ذہن احمد مدنی اور
 مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک
 باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میہار اور
 مدھی اتر پردیش سے جمعیۃ پتھو کلب اور
 جمعیۃ علماء کے مقامی ورپائی ذمہ داران بھی
 موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد
 عبداللہ نے ترائی پیش کیا، انھوں نے
 فرانس مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاہی
 صدیقی نے مشورہ طور سے انجام دیے، مجلس
 کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے
 ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء
 پر پروگرام اختتام پزیر ہوا۔

ہجومی تشدد کے
 اعلیٰ سطحی کمیٹی کو چار ہفتہ
 ہجومی تشدد کی جانچ

نئی دہلی، 24 جولائی (وس): ملک میں
 ہجومی تشدد کے بڑے واقعات کی ذمہ
 کرتے ہوئے وزیر داخلہ راجناتھ سنگھ
 ایک مرتبہ پھر کہا کہ اس معاملے پر حکومت
 سنجیدہ ہے۔ اس کی جانچ کے لیے ایک
 سطحی کمیٹی بنائی گئی ہے، جو چار ہفتہ میں
 اپنی رپورٹ دے گی۔ انہوں نے کہا کہ
 ضرورت پڑنے پر حکومت ایسے واقعات
 روکنے کے لیے نیا قانون لے کر آ
 گی۔ راجناتھ سنگھ نے منگل کو لوک
 سبھا میں ہجومی تشدد پر کی گئی بحث کا جواب
 دیتے ہوئے یہ یقین دہانی کرائی۔ لوک س

مرکز کے ذریعہ
 میدآ پار، 24 جولائی (وس): مرکز کی
 نا اہلیاں پر احتجاج کے طور پر آج اصل اپوزیشن
 کی جانب سے اسے ٹی ہڈنایا گیا جو پانچ
 ریاست کے 1۱3 اہلیاں میں کی مقامات پر پانچ
 کی لوہن ساتوں میں ہی مرکزوں پر چل گئے
 سے روک دیا۔ رات بھر بیٹے سے ہی بندھا کر
 کارکنوں کی جانب سے بڑے چاند پر احتجاج
 ناکہانی واقعہ سے مشتعل کیے بھاری ہندو
 144 نافذ کر دیا گیا۔ کنی مقامات پر پولیس نے
 عوامی لہندوں کو گھروں پر ہی نظر بند کر دیا۔
 تعلیمی ادارے سے ہجارتی ادارے سے یہاں تک کہ

جمعیتہ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیتہ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد مولانا محمود مدنی نے کہا: منصوبہ کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا



مولانا محمود مدنی پروگرام سے خطاب کرتے ہوئے (تصویر: انقلاب)

نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ اسکے علاوہ مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیتہ علماء ہند نے بھی مختصر خطاب کیا۔ قبل ازیں مولانا عبدالقدوس پالن پوری گجرات، مولانا محمد بیجی کریبی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ مولانا حبیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارکباد پیش کی۔ پروگرام میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبداللہ بنارس کے علاوہ گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیتہ یوتھ کلب اور جمعیتہ علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود رہے۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے صدر مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طاہر علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لوگوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے

دیوبند (فیروز خان) دیوبند میں جمعیتہ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیتہ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت جمعیتہ علماء ہند کے خازن مولانا حبیب صدیقی نے کی۔ پروگرام کا افتتاح قاری احمد عبداللہ کے ترانہ سے ہوا، اور نظامت مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور پر کی۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کے لیے اپنے پامپلٹ پروجیکٹ جمعیتہ یوتھ کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے نوجوانوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہی اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے

ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں

اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا، جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام میں مولانا سید محمود مدنی کا اظہار خیال

ناظرین نے خوب داد و تحسین وصول کی، بچوں کی منفرد اور شاندار پیشکش دیکھ کر لوگ دانتوں تلے انگلیاں دبا نے پر مجبور ہو گئے، بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے انہیں شیلڈ اور سرٹیفکیٹ سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پان پوری گجرات، مولانا محمد سخی کرسی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانے نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ مولانا حبیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ خصوصی شرکاء مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی نبیائین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ پروگرام کے انعقاد میں مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد، عمیر احمد عثمانی، مولانا ابراہیم قاسمی، قاری زبیر احمد قاسمی، چوہدری صادق، حاجی فضا، اسماعیل قریشی وغیرہ نے خصوصی تعاون کیا۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء کے مقامی ورپاتی ذمہ داران بھی موجود رہے۔ پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، انکلمات کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پزیر ہوا۔



روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیت علماء ہند کا پامپلٹ پر ڈیکٹ ہے۔ حضرت کی شب روز محنت و وجہ کی بدولت یہ تیزی سے آگے بڑھ رہا ہے۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیت یوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نوشاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی ٹو گود (۲) ڈیوٹی ٹو اورس (۳) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ ویریں اشاء گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا شاندار مظاہرہ کیا جس پر

شامل کریں گے اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طاہت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکار با خصوصی حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آفرنگ تیک مگدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو جسمانی ورزش کروا رہا تھا۔ قبل ازیں اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیت علماء ہند نے جمعیت علماء ہند کے دستور و تاریخ کی



طلباہ کی تربیت کرائی ہے اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا بہتر پیمانہ پیدا کیا جائے۔ انھوں نے جمعیت یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینے میں تین درجوں کی تربیت کے بعد خادمہ ملت میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیت یوتھ کلب میں

لے آئے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ ایسا وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور ملک کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی انقلاب ساز بننے کی ضمانت ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار

دیوبند سکریٹری جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام کا مظاہرہ کا انعقاد آج یہاں بائی پاس روڈ پر واقع فروغی کورٹن میں کیا گیا۔ جس میں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا شاندار مظاہرہ کیا۔ امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری کی سرپرستی میں منعقد اس پروگرام کی صدارت جمعیت علماء ہند کے خازن مولانا حبیب صدیقی نے کی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پامپلٹ پر ڈیکٹ جمعیت یوتھ کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عمومی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی اور کہا کہ یہ مٹی نہیں بلکہ تعمیر کی قوم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو تارگیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پناہ پناہ

موجودہ وقت میں امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار

جمعیتہ یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکاؤٹنگ کے دوران مولانا محمود مدنی کا خطاب



مولانا محمود مدنی خطاب کرتے ہوئے ، فوٹو ایم افسر

اسکاؤٹنگ فن کا مظاہرہ کرتے ہوئے۔

دیوبند، 24 جولائی (عارف عثمانی) جمعیتہ علماء ہند کے زیر اہتمام دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیتہ یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکاؤٹنگ کے مظاہرہ کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے جنرل سیکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو وابستہ کرنے کے لیے اپنے پائیلیٹ پروجیکٹ 'جمعیتہ یوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب تقریباً 100 طلبانے اپنے فن کا مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود احمد مدنی نے اعلان کیا کہ مجوزہ پلان کے مطابق اگلے ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019 میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا محمود مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ مفتی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم و وطن کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پتہ چ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی

ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہی وہ وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کو دل جھتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہم چھپلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے اب تک پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر سکھاتا ہے، مولانا مدنی نے جمعیتہ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انھوں نے جمعیتہ یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے

کریں گے؟۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیتہ یوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیتہ یوتھ کلب اور جمعیتہ علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نوشاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (1) ڈیوٹی ٹو گوڈ (2) ڈیوٹی ٹو اورس (3) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیلڈ اور سرٹیکٹ سے نوازا۔ مولانا حبیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیتہ یوتھ کلب اور جمعیتہ علماء کے مقامی ورپاسٹی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے۔

اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جراثیمیں کھلے عام آتشی اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ

کے سچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیتہ یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ جمعیتہ علماء ہند کے صدر مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ اس وقت نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے

جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیۃ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد

سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے صدر مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طاووت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگدر چلاتے تھے۔



نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے نوجوانوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو نارگیت کیا جا رہا ہے، اس

دیوبند 24 جولائی (دانیال فیروز خان) دیوبند کے ایک ویکٹ ہال میں جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیۃ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت جمعیۃ علماء ہند کے خازن مولانا حبیب صدیقی نے کی۔ پروگرام کا افتتاح قاری احمد عبداللہ کے ترانہ سے ہوا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور پر انجام دیئے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت کلام پاک سے کیا گیا۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کے لیے اپنے پابلیٹ پروجیکٹ 'جمعیۃ یوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ رطلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار

جمعیتہ العلماء نے بھی ”سوم سیدکوں“ کی تربیت شروع کی

نوجوانوں کو جوڑنے کیلئے پائیلیٹ پروجیکٹ ”جمعیتہ پوتھ کلب“ کا تعارف اور خاکہ پیش



دیوبند فردوس گارڈن میں جمعیتہ پوتھ کلب تعارفی پروگرام کا منظر۔

گجرات، مولانا محمد سحیحی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا مازدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبد اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی دیگر حضرات کو مبارکباد پیش کی۔

وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ یو آر ڈی نیشن کا طریقہ سیکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعیتہ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انھوں نے جمعیتہ پوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ

سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد ’خادم ملت‘ میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیتہ پوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طالوت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک گلدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ ایزیں نکل اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیتہ علماء ہند نے جمعیتہ علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیتہ علماء ہند کا پائیلیٹ پروجیکٹ ہے۔ حضرت کی شب و روز محنت و توجہ

دیوبند، 24 جولائی: آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیتہ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیتہ پوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حسیب صدیقی خازن جمعیتہ علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیتہ علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائیلیٹ پروجیکٹ ’جمعیتہ پوتھ کلب‘ کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر پوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو نارگیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرموعیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ

مسلم نوجوانوں کو مایوسی کے سنگین بحران سے نکالا جائے

جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیۃ یوتھ کلب' تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد، مولانا محمود مدنی نے تعمیری قدم قرار دیا



پوری گجرات، مولانا محمد نجفی کیری میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جوشخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہن احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا کلیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز کا قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعیت علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انھوں نے جمعیت یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیت یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پالن

ہے جو قوم کے سچے خادم نہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مرکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے

دیوبند، 24 جولائی (پریس ریلیز)۔ آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام 'جمعیۃ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حسیب صدیقی خازن جمعیت علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائیلیٹ پروجیکٹ 'جمعیۃ یوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا

جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد

تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اترپردیش سے منتخب ۹۶ طلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا

مجلس کا آغاز کا قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

روز محنت و توجہ کی بدولت یہ تیزی سے آگے بڑھ رہا ہے۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیت یوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نو شاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی ٹو گوڈ (۲) ڈیوٹی ٹو ادرس (۳) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیلڈ اور سرٹیفکیٹ سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پالن پوری گجرات، مولانا محمد سحیحی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اترپردیش سے جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نو شاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے،



بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لوگوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ ازیں قبل اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیت علماء ہند نے جمعیت علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیت علماء ہند کا پابلیٹ پروجیکٹ ہے۔ حضرت کی شب و

ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعیت علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انھوں نے جمعیت یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیت یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طالوت علیہ السلام کے بادشاہ

ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بجران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا

دیوبند۔ (پی۔ آر) آج یہاں دیوبند کے فرسٹ گارڈن میں جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حسیب صدیقی خازن جمعیت علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پابلیٹ پروجیکٹ 'جمعیت یوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اترپردیش سے منتخب ۹۶ طلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بجران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بجران سے نکالا جائے۔ یہی اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد

روزنامہ ہمارا سماج دہلی

دैनिक हमारा समाज दिल्ली

پوتھ کلب کا قیام منفی نہیں، تعمیری قدم ہے: مولانا محمود مدنی

جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیت پوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکا ڈٹنگ کے مظاہرہ کا انعقاد

ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ناریٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل حسیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔.... (باقی صفحہ 7 پر)



عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا محمود مدنی نے اس موقع پر پوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم و وطن کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے،

رضوان سلمانی
دیوبند، 24 جولائی، سماج نیوز سروس:
جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیت پوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکا ڈٹنگ کے مظاہرہ کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو وابستہ کرنے کیلئے اپنے پابلیٹی پروجیکٹ 'جمعیت پوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب تقریباً 100 طلبانے اپنے فن کا مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود اسعد مدنی نے اعلان کیا کہ مجوزہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019 میں

بقیہ: پوتھ کلب کا قیام منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے: مولانا محمود مدنی....

... اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے اب تک پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا سسٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیٹیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعیت علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انہوں نے جمعیت پوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت کے بعد خادم ملت میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیت پوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ جمعیت علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ اس وقت نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگدر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لوگوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انہوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ قبل ازیں اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیت علماء ہند نے جمعیت علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عمومی جمعیت علماء ہند کا پابلیٹی پروجیکٹ ہے۔ حضرت کی شب و روز محنت و توجہ کی بدولت یہ تیزی سے آگے بڑھ رہا ہے۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیت پوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیت پوتھ کلب اور جمعیت علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نو شاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (1) ڈیوٹی ٹو گود (2) ڈیوٹی ٹو ادرس (3) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیڈ اور سرٹیفکیٹ سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پالن پوری گجرات، مولانا محمد یحییٰ کریمی میوات اور مولانا محمد عافتل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حبیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد اور مولانا ابراہیم قاسمی، عمیر عثمانی، چودھری صادق، اشعلیل قریشی، قاری سلیم و دیگر حضرات کو مبارکباد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیت پوتھ کلب اور جمعیت علماء کے مقامی ورپاسی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نو شاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکاؤٹنگ کا مظاہرہ مسلمانوں کو سنگین بحران سے نکالنا وقت کی ضرورت: مولانا محمود مدنی



دیوبند (ایس این بی)

جمعیت علماء ہند کی جانب سے آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیت یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکاؤٹنگ کا مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حبیب صدیقی خازن جمعیت علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جنرل سکرٹری مولانا محمود مدنی نے نوجوانوں کو وابستہ کرنے کے لیے اپنے پائلٹی پروجیکٹ 'جمعیت یوتھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا 3 ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب 96 طلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدنی نے اعلان کیا کہ مجوزہ پلان کے مطابق اگلے 6 ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019 میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔

مولانا محمود مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم و وطن کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو نارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے

اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ ایسا وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے منسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نسخہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر بلندی کی ضمانت ہے۔ مولانا مدنی نے جمعیت علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔

واضح ہو کہ مولانا سید محمود اسعد مدنی کی ایما پر نوجوانوں میں ملک و قوم کی خدمت کا جذبہ پیدا کرنے اور آڑے وقت کے لیے تربیت دینے کا جو سلسلہ شروع کیا گیا ہے وہ قانون کے دائرے میں رہتے ہوئے کام کر رہا ہے اور اس کو قابل قدر نظر سے دیکھا جا رہا ہے۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری

نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک گدڑ چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے۔

قبل ازاں اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکرٹری جمعیت علماء ہند نے جمعیت علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا۔ ہدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ پردیش نے اسکاؤٹ اور جمعیت یوتھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیت یوتھ کلب اور جمعیت علماء ہند مل کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماسٹر نوشاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے 3 بنیادی کام ڈیوٹی ٹو گوڈ، ڈیوٹی ٹو ادرس اور ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے

بعد مولانا مدنی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیلڈ اور سرٹیفکیٹ سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پالن پوری گجرات، مولانا محمد یحییٰ کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسٹیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حبیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔

انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدنی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدنی اور مولانا ابراہیم قاسمی، عمیر عثمانی، چودھری صادق، اسمعیل قریشی، قاری سلیم ودیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترکہ طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعا پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔